| | |
|---|---|
| **Class: M.A.** | **Subject: Music (Vocal/Instrumental)** |
| **Semester: 1** | **Course: I** |
| **Course Type: Core Course** | **Course Code: MUSI-101-TH** |
| **Course Name: Historical Study of Indian Music** | **Paper Type: Theory** |

# MUSIC

## (HISTORICAL STUDY OF INDIAN MUSIC)

## Lesson : 1 - 13

**Dr. Kirti Garg**

**Centre for Distance & Online Education (CDOE)**
**Himachal Pradesh University**
**Gyan Path, Summer Hill, Shimla-171005**

अनुक्रमणिका


| पाठ संख्या | विषय | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| | पाठ्यक्रम | 3 |
| | प्राक्कथन | 4 – 5 |
| **LESSON – 1** | स्वर और श्रुति का ऐतिहससिक विवेचन | 6 – 29 |
| **LESSON – 2** | स्वर–श्रुति का सम्बन्ध भरत, शारंगदेव, भातखण्डे एवं बृहस्पति के अनुसार | 30 – 62 |
| **LESSON – 3** | ग्राम क्या है तथा षड़ज और मध्यम ग्राम की वीणा पर स्थापना | 63 – 73 |
| **LESSON – 4** | भारतीय संगीत में मूर्च्छना, मेल और थाट पद्धति | 74 – 94 |
| **LESSON – 5** | वैदिक एवं रामायण काल का संगीत | 95 – 109 |
| **LESSON – 6** | महाभारत एवं पुराण काल का संगीत | 110 – 123 |
| **LESSON – 7** | जैनकाल और बौद्धकाल का संगीत | 124 – 130 |
| **LESSON – 8** | मौर्य एवं गुप्तकाल का संगीत | 131 – 138 |
| **LESSON – 9** | भरत काल में संगीत | 139 – 148 |
| **LESSON – 10** | मतंग और शारंगदेव के समय में संगीत | 149 – 162 |
| **LESSON – 11** | नाद और उसके भेद एवं प्रकार | 163 – 175 |
| **LESSON – 12** | रस की परिभाषा और उसके प्रकार | 176 – 189 |
| **LESSON – 13** | जाति और उसके लक्षण | 190 – 200 |
| | अभ्यासार्थ वस्तुनिष्ठ प्रश्न–उत्तर | 201 – 202 |
| | **ASSIGNMENT** | 203 |

# UNIT – 1

# LESSON - 1

# Historical development of Shruti and Swara

स्वर और श्रुति का ऐतिहासिक विकास

## STRUCTURE

1.1 भूमिका

1.2 उदेश्य

1.3 श्रुति का अर्थ

1.4 भातखण्डे द्वारा श्रुति विभाजन

1.5 श्रुति भेद

1.5.1 स्वर श्रुतियां

1.5.2 अंतः श्रुतियां

1.5.3 संगीत की 22 श्रुतियां

1.6 स्वर की परिभाषा

1.7 शुद्ध और विकृत स्वरों की व्याख्या

1.7.1 शुद्ध स्वर

1.7.2 चल स्वर

1.7.3 अचल स्वर

1.7.4 विकृत स्वर

1.7.4.1 कोमल विकृत

1.7.4.2 तीव्र विकृत

1.7.4.3 संगीत के 12 स्वर

1.8 स्वरों की आन्दोलन संख्या

1.8.1 स्वरों की आन्दोलन संख्या निकालना

1.8.2 स्वरों की आन्दोलन संख्या जानने के तीन आधार

1.8.3 स्वरों का गुणान्तर

1.8.4 आन्दोलन संख्या से लम्बाई निकालना

1.9 स्वरों में श्रुतियों को बांटने का नियम

**1.10 स्वर–श्रुति की तुलना**

**1.11 सारांश**

**1.12 शब्दकोष**

**1.13 स्वयं परीक्षण प्रश्न–उत्तर**

**1.14 संदर्भ ग्रन्थ सूची**

**1.15 महत्वपूर्ण प्रश्न**

## 1.1 भूमिका :–

**"श्रुयते इति श्रुतिः"** अर्थात् जो कुछ भी कानों द्वारा सुना जाए वह 'श्रुति' है। इस दृष्टि से प्रत्येक प्रकार की ध्वनि चाहे वह संगीत उपयोगी हो या न हो श्रुति ही कहलाएगी। वह चाहे कोयल की मधुर ध्वनि हो, गधे का रेंकना हो, दो पत्थरों के बीच घर्षण की ध्वनि हो या फिर किसी भी प्रकार की ध्वनि हो सभी श्रुति के व्यापक अर्थ में 'श्रुति' ही कहलाएगी। लेकिन संगीत में श्रुति का यह शाब्दिक अर्थ नहीं लिया जा सकता क्योंकि संगीत में वही श्रुति मानी जा सकती है जो संगीत उपयोगी हो क्योंकि संगीत का उदेश्य मानव ह्रदय को रंजन प्रदान करना

**Class:** Master of Arts in Music

**Subject:** Music (Vocal and Instrumental (Sitar)

**Course Type:** Core Course

**Course Duration:** Two Years (Four Semesters)

**Course Code:** MUSI-102TH

**Course Name:** Seminar

**Semester:** I

# MUSIC
# (Seminar MUSI-102TH)
# Lesson : 1 - 20

**Dr. Virender Kaushal**

**Centre for Distance and Online Education (CDOE)**
**(Formerly International Centre for Distance Education and Open Learning (ICDEOL)**
**Himachal Pradesh University, Gyan Path, Summer Hill, Shimla-171005**

**विषय सूची**


| इकाई | विषय शीर्षक | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| 1 | संगोष्ठी | 6-17 |
| 2 | संगोष्ठी के प्रकार | 18-44 |
| 3 | संगोष्ठी के माध्यम | 45-72 |
| 4 | संगोष्ठी आयोजन: उद्देश्य | 73-84 |
| 5 | संगोष्ठी प्रक्रिया | 85-99 |
| 6 | संगोष्ठी की संगठन संरचना (प्रबंधन समिति) | 100-125 |
| 7 | अभिलेख स्वरूप | 126-139 |
| 8 | शोध पत्र | 140-153 |
| 9 | पावर प्वाइंट प्रस्तुति | 154-166 |
| 10 | शोध पत्र प्रस्तुति | 167-179 |
| 11 | संगोष्ठी: वित्तीय संसाधनों के स्रोत | 180-193 |
| 12 | एकेडेमिक परफॉर्मेंस इंडिकेटर्स (Academic Performance Indicators, API) में संगोष्ठी का महत्व | 194-207 |
| 13 | संगोष्ठी: नैतिकता और मूल्य | 208-219 |
| 14 | संगोष्ठी (Seminar), सम्मेलन (Conference), अनुसंधान पद्धति शिविर (Research Methodology Workshop), शिक्षक विकास कार्यक्रम (Faculty Development Programme), सम्मेलन (Symposium) संगीत समारोह (Concert) में अंतर | 220-231 |
| 15 | मामले का अध्ययन (Case Study) | 232-247 |
| 16 | संगोष्ठी: शोध पत्र लेखन | 248-263 |
| 17 | अनुसंधान पत्र: प्रकाशन | 264-279 |
| 18 | साहित्यिक चोरी जांच | 280-294 |
| 19 | संदर्भ सूची | 295-310 |
| 20 | संदर्भ शैलियों के प्रकार | 311-330 |
| | **महत्वपूर्ण प्रश्न - कार्यभार** | 331 |

## इकाई 1

## संगोष्ठी

**संरचना**

1.1 परिचय

1.2 अधिगम उद्देश्य

1.3 संगोष्ठी: आवश्यकता, विस्तार, महत्व, विशेषताएँ, उद्देश्य, लाभ, कारण और सीमाएँ

आत्म-मूल्यांकन प्रश्न-1

1.4 निष्कर्ष

1.5 शब्द कोश

1.6 आत्म-मूल्यांकन प्रश्नों के उत्तर

1.7 संदर्भ सूची/ सुझाए गए पाठ

1.8 परीक्षा संबंधी प्रश्न

### 1.1 परिचय

संगोष्ठी एक ऐसा सामाजिक आयोजन है जो विभिन्न विषयों पर जागरूकता और विचार-विमर्श के लिए समर्पित होता है। यहाँ लोगों को विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतियों के माध्यम से जानकारी प्राप्त करने का मौका मिलता है, जिससे उनकी ज्ञानधारा बढ़ती है और साथ ही साथ उनका विचारधारा भी विकसित होता है। यह आयोजन सामान्यत: किसी विशेष स्थान पर आयोजित किया जाता है, जहाँ लोग एक साथ आकर अपने विचारों को साझा करते हैं और नए विचारों का संग्रह करते हैं। ये संगोष्ठियाँ विभिन्न क्षेत्रों में होती हैं, जैसे कि विज्ञान, साहित्य, सामाजिक विज्ञान, राजनीति, आदि। संगोष्ठी एक ऐसा सामाजिक आयोजन है जो विभिन्न विषयों पर जागरूकता और विचार-विमर्श के लिए समर्पित होता है। यहाँ लोगों को विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतियों के माध्यम से जानकारी प्राप्त करने का मौका मिलता है, जिससे उनकी ज्ञानधारा बढ़ती है और साथ ही साथ उनका विचारधारा भी विकसित होता है। यह आयोजन सामान्यत: किसी विशेष स्थान पर आयोजित किया जाता है, जहाँ लोग एक साथ आकर अपने विचारों को साझा करते हैं और नए विचारों का संग्रह करते हैं। ये संगोष्ठियाँ विभिन्न क्षेत्रों में होती हैं, जैसे कि विज्ञान, साहित्य, सामाजिक विज्ञान, राजनीति, आदि।

इन संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य विशेष विषयों पर जागरूकता फैलाना और लोगों को उसमें शामिल करना होता है। विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों की राय सुनकर लोग नए और विचारशील तरीके से सोचने की क्षमता विकसित करते हैं। ये आयोजन ज्ञान और विचारों को बाँटने का एक महत्वपूर्ण माध्यम होते हैं, जिससे समाज में जागरूकता बढ़ती है और नई विचारधारा उत्पन्न होती है। संगोष्ठियों का आयोजन विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है। कई बार इन्हें विशेषज्ञों द्वारा नेतृत्व किया जाता है, जो अपनी विशेष ज्ञानवर्धक प्रस्तुतियों के माध्यम से सामान्य जनता को जागरूक करते हैं। इन्हें आधुनिक संचार के तकनीकों का भी प्रयोग किया जाता है, जैसे कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, वेबिनार्स, आदि। संगोष्ठियों का आयोजन विभिन्न क्षेत्रों में होता है। विज्ञान, भारतीय संस्कृति, प्रौद्योगिकी,

| | | | |
|---|---|---|---|
| **Class:** | **M.A.** | **Subject:** | **Music (Vocal/Instrumental)** |
| **Semester:** | **1** | **Course:** | **III** |
| **Course Type:** | **Core Course** | **Course Code:** | **MUSI-103-PR** |
| **Course Name:** | **Stage Performance** | **Paper Type:** | **Practical** |

# MUSIC
# (Stage Performance)

## Lesson : 1 - 16

**Dr. Mritunjay Sharma**

**Centre for Distance & Online Education (CDOE)**
**Himachal Pradesh University**
**Gyan Path, Summer Hill, Shimla-171005**

# विषय सूची


| क्रम | | विषय | पृ. सं. |
|---|---|---|---|
| 1 | | विषय सूची | ii |
| 2 | | प्राक्कथन | iii |
| 3 | | पाठ्यक्रम | iv |
| 4 | इकाई 1 | राग पूरिया कल्याण का बड़ा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 1 |
| 5 | इकाई 2 | राग पूरिया कल्याण का छोटा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 15 |
| 6 | इकाई 3 | राग पूरिया कल्याण की विलंबित गत (वादन के संदर्भ में) | 27 |
| 7 | इकाई 4 | राग पूरिया कल्याण की द्रुत गत (वादन के संदर्भ में) | 39 |
| 8 | इकाई 5 | राग अहीर भैरव का बड़ा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 51 |
| 9 | इकाई 6 | राग अहीर भैरव का छोटा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 63 |
| 10 | इकाई 7 | राग अहीर भैरव की विलंबित गत (वादन के संदर्भ में) | 74 |
| 11 | इकाई 8 | राग अहीर भैरव की द्रुत गत (वादन के संदर्भ में) | 84 |
| 12 | इकाई 9 | राग भीमपलासी की विलंबित गत (वादन के संदर्भ में) | 94 |
| 13 | इकाई 10 | राग भीमपलासी की द्रुत गत (वादन के संदर्भ में) | 107 |
| 14 | इकाई 11 | राग भीमपलासी का बड़ा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 121 |
| 15 | इकाई 12 | राग भीमपलासी का छोटा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 136 |
| 16 | इकाई 13 | लोक गीत 'शिव कैलासो के वासी' | 151 |
| 17 | इकाई 14 | हिमाचली लोक गीत पर आधारित लोक धुन, 'शिव कैलाशों के वासी' | 159 |
| 18 | इकाई 15 | हिमाचली लोक गीत प्यारी भोटलिए' व 'कपडेयां धोंआ' | 169 |
| 19 | इकाई 16 | हिमाचली लोक गीतों पर आधारित लोक धुनें, 'कुंजु' तथा 'भोटलिए' | 183 |
| 20 | | महत्वपूर्ण प्रश्न - कार्यभार | 196 |

# इकाई-1
# राग पूरिया कल्याण - बड़ा ख्याल

## इकाई की रूपरेखा


1.1 भूमिका

1.2 उद्देश्य तथा परिणाम

1.3 पूरिया कल्याण राग का परिचय, आलाप, बड़ा ख्याल, तानें

1.3.1 पूरिया कल्याण राग का परिचय

1.3.2 पूरिया कल्याण राग का आलाप

1.3.3 पूरिया कल्याण राग का बड़ा ख्याल

1.3.4 पूरिया कल्याण राग की तानें

स्वयं जांच अभ्यास 1

1.4 सारांश

1.5 शब्दावली

1.6 स्वयं जांच अभ्यास प्रश्नों के उत्तर

1.7 संदर्भ

1.8 अनुशंसित पठन

1.9 पाठगत प्रश्न

| | | | |
|---|---|---|---|
| **Class:** | **M.A.** | **Subject:** | **Music (Vocal/Instrumental)** |
| **Semester:** | **1** | **Course:** | **IV** |
| **Course Type:** | **Core Course** | **Course Code:** | **MUSI-104-PR** |
| **Course Name:** | **Viva-Voce** | **Paper Type:** | **Practical** |

# MUSIC
# (Viva-Voce)

## Lesson : 1 - 17

**Dr. Mritunjay Sharma**

**Centre for Distance & Online Education (CDOE)**
**Himachal Pradesh University**
**Gyan Path, Summer Hill, Shimla-171005**

# विषय सूची


| क्रम | | विषय | पृ. सं. |
|---|---|---|---|
| 1 | | विषय सूची | ii |
| 2 | | प्राक्कथन | iii |
| 3 | | पाठ्यक्रम | iv |
| 4 | इकाई 1 | राग अहीर भैरव का बड़ा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 1 |
| 5 | इकाई 2 | राग अहीर भैरव का छोटा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 15 |
| 6 | इकाई 3 | राग अहीर भैरव की विलंबित गत (वादन के संदर्भ में) | 28 |
| 7 | इकाई 4 | राग अहीर भैरव की द्रुत गत (वादन के संदर्भ में) | 42 |
| 8 | इकाई 5 | राग पूरिया कल्याण का बड़ा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 55 |
| 9 | इकाई 6 | राग पूरिया कल्याण का छोटा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 70 |
| 10 | इकाई 7 | राग पूरिया कल्याण की विलंबित गत (वादन के संदर्भ में) | 84 |
| 11 | इकाई 8 | राग पूरिया कल्याण की द्रुत गत (वादन के संदर्भ में) | 97 |
| 12 | इकाई 9 | राग भीमपलासी की विलंबित गत (वादन के संदर्भ में) | 110 |
| 13 | इकाई 10 | राग भीमपलासी की द्रुत गत (वादन के संदर्भ में) | 123 |
| 14 | इकाई 11 | राग भीमपलासी का बड़ा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 137 |
| 15 | इकाई 12 | राग भीमपलासी का छोटा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 152 |
| 16 | इकाई 13 | राग श्याम कल्याण की द्रुत गत (वादन के संदर्भ में) | 167 |
| 17 | इकाई 14 | राग श्याम कल्याण का छोटा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 179 |
| 18 | इकाई 15 | ध्रुवपद (गायन के संदर्भ में) | 191 |
| 19 | इकाई 16 | राग अहीर भैरव की द्रुत गत रूपक ताल में (वादन के संदर्भ में) | 203 |
| 20 | इकाई 17 | ताल : तीन ताल, एक ताल, रूपक ताल, चौताल, दादरा ताल | 216 |
| 21 | | महत्वपूर्ण प्रश्न - कार्यभार | 231 |

# इकाई-1
# राग अहीर भैरव - बड़ा ख्याल

## इकाई की रूपरेखा

1.1 भूमिका

1.2 उद्देश्य तथा परिणाम

1.3 अहीर भैरव राग का परिचय, तुलनात्मक अध्ययन, आलाप, बड़ा ख्याल, तानें

- 1.3.1 अहीर भैरव राग का परिचय
- 1.3.2 अहीर भैरव राग का तुलनात्मक अध्ययन
- 1.3.3 अहीर भैरव राग का आलाप
- 1.3.4 अहीर भैरव राग का बड़ा ख्याल
- 1.3.5 अहीर भैरव राग की तानें
- स्वयं जांच अभ्यास 1

1.4 सारांश

1.5 शब्दावली

1.6 स्वयं जांच अभ्यास प्रश्नों के उत्तर

1.7 संदर्भ

1.8 अनुशंसित पठन

1.9 पाठगत प्रश्न

| | | | |
|---|---|---|---|
| **Class:** | **M.A.** | **Subject:** | **Music (Vocal/Instrumental)** |
| **Semester:** | **2** | **Course Code:** | **MUSI-201-TH** |
| **Course Type:** | **Core Course** | **Paper Type:** | **Theory** |
| **Course Name:** | **General Study of Ragas, Taalas and Instruments** | | |

# MUSIC

## (General Study Of Ragas, Taalas and Instruments)

## Lesson : 1 - 20

**Dr. Kirti Garg**

**Centre for Distance & Online Education (CDOE)**
**Himachal Pradesh University**
**Gyan Path, Summer Hill, Shimla-171005**

# अनुक्रमणिका


| पाठ संख्या | विषय | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| पाठ्यक्रम | | 4 – 5 |
| प्राक्कथन | | 6 – 8 |
| इकाई – 1 | | |
| **LESSON – 1** | राग शुद्ध सारंग, बिहाग, बागेश्री का तुल्नात्मक अध्ययन | 9 – 25 |
| **LESSON – 2** | राग बृन्दावनी सारंग और राग यमन का तुल्नात्मक अध्ययन | 26 – 33 |
| **LESSON – 3** | राग शुद्ध सारंग और राग बिहाग में विलम्बित और द्रुत ख्याल/गत की स्वरलिपि | 34 – 60 |
| इकाई – 2 | | |
| **LESSON – 4** | ख्याल गायकी और सितार वादन के घरानों की उत्पत्ति एवं विकास | 61 – 76 |
| **LESSON – 5** | प्रबन्ध, ध्रुपद और धमार गायन शैलियों का अध्ययन | 77 – 90 |
| **LESSON – 6** | ख्याल, तराना, चतुरंग, त्रिवट, मसीतखानी और रज़ाखानी गत का अध्ययन | 91 – 101 |
| इकाई – 3 | | |
| **LESSON – 7** | सांगीतिक वाद्यों का वर्गीकरण एवं सितार और सरोद वाद्य का ऐतिहासिक विश्लेषण | 102 – 125 |
| **LESSON – 8** | सुरबहार, तबला, तथा तानपूरा वाद्य का ऐतिहासिक विश्लेषण | 126 – 140 |
| **LESSON – 9** | वायलिन, शहनाई, बाँसुरी, पखावज वाद्यों का ऐतिहासिक विश्लेषण | 141 – 157 |
| **LESSON – 10** | तीनताल ताल, रूपक तथा आड़ाचौताल की दुगुन, तिगुन तथा चौगुन लयकारियों का अध्ययन | 158 – 168 |
| **LESSON – 11** | झपताल, चौताल और धमार तालों का शास्त्रोक्त अध्ययन | 169 – 178 |
| **LESSON – 12** | संगीत में लय और ताल का महत्व | 179 – 185 |
| **LESSON – 13** | ताल के प्राण | 186 – 194 |
| इकाई – 4 | | |
| **LESSON – 14** | स्थाय, गीति–रीति, काकु, कुतुप, गमक तथा आलप्ति का अध्ययन | 195 – 212 |
| **LESSON – 15** | मींड, घसीट, कण, साधारण, तान और अलंकार का अध्ययन | 213 – 233 |
| **LESSON – 16** | शास्त्रीय संगीत का भविष्य | 234 – 244 |
| **LESSON – 17** | हिन्दुस्तानी संगीत में यान्त्रिक वाद्यों की भूमिका | 245 – 251 |
| **LESSON – 18** | पं0 वी. एन. भातखण्डे और पं0 वी.डी. पलुस्कर की स्वरलिपि पद्धति | 252 – 269 |
| **LESSON – 19** | ललित कलाओं से संगीत का सम्बन्ध | 270 – 278 |
| **LESSON – 20** | राग–रस और राग–भाव में सम्बन्ध | 279 – 285 |
| | संक्षिप्त वस्तुनिष्ठ प्रश्न–उत्तर | 286 – 287 |
| | **ASSIGNMENT** | 288 |

# UNIT – I
# LESSON -1
## Theoretical and Comparative Study of Following Ragas
### Shudh Sarang, Bihag, Bageshree,

## STRUCTURE :

1.1 उदेश्य
1.2 राग शुद्ध सारंग
1.2.1 भूमिका
1.2.2 राग का पूर्ण परिचय
1.2.3 तुल्नात्मक अध्ययन
1.2.4 शुद्ध सारंग और श्याम कल्याण का तुल्नात्मक अध्ययन
1.2.4.1 समानता
1.2.4.2 भिन्नता
1.2.5 राग शुद्ध सारंग और राग मिंयां की सारंग में तुलना
1.2.5.1 समानता
1.2.5.2 भिन्नता
1.3 राग बिहाग
1.3.1 भूमिका
1.3.2 राग का पूर्ण परिचय
1.3.3 राग बिहाग और राग यमन कल्याण की तुलना
1.3.3.1 समानता
1.3.3.2 भिन्नता
1.4 राग बागेश्री
1.4.1 भूमिका
1.4.2 राग का पूर्ण परिचय
1.4.3 राग बागेश्री तथा राग भीमपलासी में तुलना
1.4.3.1 समानता
1.4.3.2 भिन्नता
1.5 सारांश
1.6 शब्दकोष
1.7 स्वयं परीक्षण प्रश्न–उत्तर
1.8 संदर्भ ग्रन्थ सूची
1.9 महत्वपूर्ण प्रश्न

## 1.1 उदेश्य :–

इस पाठ में पाठ्यक्रम में दिए गए रागों का विस्तृत वर्णन एवं तुल्नात्मक अध्ययन किया गया है। जिसका यही उदेश्य है कि इसके माध्यम से हम सभी रागों के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और उन रागों के जो समप्रकृत राग है, जो उन रागों के समीप के राग हैं उनके विषय में भी जान पाएंगे और आसानी से समझ पाएंगे। इन रागों के तुल्नात्मक अध्ययन के द्वारा प्रत्येक राग के विषय में गहराई से समझ पाएंगे।

## 1.2 राग शुद्ध सारंग

### 1.2.1 भूमिका :–

**दो मध्यम शुद्ध स्वर, गावत शुद्ध सारंग।**
**रिप संवाद औडव–षाड़व, मध्याह्न काल आनंद।।**

थाट – कल्याण
स्वर – दोनों मध्यम शेष स्वर शुद्ध

| | | | |
|---|---|---|---|
| **Class:** | **M.A.** | **Subject:** | **Music (Vocal/Instrumental)** |
| **Semester:** | **2** | | |
| **Course Type:** | **Core Course** | **Course Code:** | **MUSI-202-PR** |
| **Course Name:** | **Stage Performance** | **Paper Type:** | **Practical** |

# MUSIC
# (Stage Performance)

## Lesson : 1 - 13

**Dr. Mritunjay Sharma**

**Centre for Distance & Online Education (CDOE)**
**Himachal Pradesh University**
**Gyan Path, Summer Hill, Shimla-171005**

# विषय सूची


| क्रम | | विषय | पृ. सं. |
|---|---|---|---|
| 1 | | विषय सूची | ii |
| 2 | | प्राक्कथन | iii |
| 3 | | पाठ्यक्रम | iv |
| 4 | इकाई 1 | राग शुद्ध सारंग का बड़ा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 1 |
| 5 | इकाई 2 | राग शुद्ध सारंग का छोटा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 18 |
| 6 | इकाई 3 | राग शुद्ध सारंग की विलंबित गत (वादन के संदर्भ में) | 35 |
| 7 | इकाई 4 | राग शुद्ध सारंग की द्रुत गत (वादन के संदर्भ में) | 50 |
| 8 | इकाई 5 | राग बिहाग का बड़ा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 67 |
| 9 | इकाई 6 | राग बिहाग का छोटा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 83 |
| 10 | इकाई 7 | राग बिहाग की विलंबित गत (वादन के संदर्भ में) | 96 |
| 11 | इकाई 8 | राग बिहाग की द्रुत गत (वादन के संदर्भ में) | 110 |
| 12 | इकाई 9 | राग बागेश्री की विलंबित गत (वादन के संदर्भ में) | 122 |
| 13 | इकाई 10 | राग बागेश्री की द्रुत गत (वादन के संदर्भ में) | 140 |
| 14 | इकाई 11 | राग बागेश्री का बड़ा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 158 |
| 15 | इकाई 12 | राग बागेश्री का छोटा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 177 |
| 16 | इकाई 13 | ठुमरी (गायन, राग-भैरवी, त्रिताल)<br>ठुमरी (वादन, राग-मिश्र पीलू, अद्धा ताल) | 196 |
| 17 | | महत्वपूर्ण प्रश्न - कार्यभार | 211 |

# इकाई-1
# राग शुद्ध सारंग - बड़ा ख्याल

## इकाई की रूपरेखा

1.1 भूमिका

1.2 उद्देश्य तथा परिणाम

1.3 शुद्ध सारंग राग का परिचय, आलाप, बड़ा ख्याल, तानें

1.3.1 शुद्ध सारंग राग का परिचय

1.3.2 शुद्ध सारंग राग का आलाप

1.3.3 शुद्ध सारंग राग का बड़ा ख्याल

1.3.4 शुद्ध सारंग राग की तानें

स्वयं जांच अभ्यास 1

1.4 सारांश

1.5 शब्दावली

1.6 स्वयं जांच अभ्यास प्रश्नों के उत्तर

1.7 संदर्भ

1.8 अनुशंसित पठन

1.9 पाठगत प्रश्न

| | | | |
|---|---|---|---|
| **Class:** | **M.A.** | **Subject:** | **Music (Vocal/Instrumental)** |
| **Semester:** | **2** | | |
| **Course Type:** | **Core Course** | **Course Code:** | **MUSI-203-PR** |
| **Course Name:** | **Viva-Voce** | **Paper Type:** | **Practical** |

# MUSIC
# (Viva-Voce)

## Lesson : 1 - 16

**Dr. Mritunjay Sharma**

**Centre for Distance & Online Education (CDOE)**
**Himachal Pradesh University**
**Gyan Path, Summer Hill, Shimla-171005**

# विषय सूची


| क्रम | | विषय | पृ. सं. |
|---|---|---|---|
| 1 | | विषय सूची | ii |
| 2 | | प्राक्कथन | iii |
| 3 | | पाठ्यक्रम | iv |
| 4 | इकाई 1 | राग बिहाग का बड़ा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 1 |
| 5 | इकाई 2 | राग बिहाग का छोटा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 18 |
| 6 | इकाई 3 | राग बिहाग की विलंबित गत (वादन के संदर्भ में) | 32 |
| 7 | इकाई 4 | राग बिहाग की द्रुत गत (वादन के संदर्भ में) | 47 |
| 8 | इकाई 5 | राग शुद्ध सारंग का बड़ा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 60 |
| 9 | इकाई 6 | राग शुद्ध सारंग का छोटा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 78 |
| 10 | इकाई 7 | राग शुद्ध सारंग की विलंबित गत (वादन के संदर्भ में) | 96 |
| 11 | इकाई 8 | राग शुद्ध सारंग की द्रुत गत (वादन के संदर्भ में) | 112 |
| 12 | इकाई 9 | राग बागेश्री की विलंबित गत (वादन के संदर्भ में) | 130 |
| 13 | इकाई 10 | राग बागेश्री की द्रुत गत (वादन के संदर्भ में) | 148 |
| 14 | इकाई 11 | राग बागेश्री का बड़ा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 185 |
| 15 | इकाई 12 | राग बागेश्री का छोटा ख्याल (गायन के संदर्भ में) | 204 |
| 16 | इकाई 13 | राग वृंदावनी सारंग (गायन के संदर्भ में) | 223 |
| 17 | इकाई 14 | राग वृंदावनी सारंग (वादन के संदर्भ में) | 242 |
| 18 | इकाई 15 | लोक गीत/ धुन 'शिवा मेरे महादेवा' व 'काहे रा बो' | 256 |
| 19 | इकाई 16 | ताल | 268 |
| 20 | | महत्वपूर्ण प्रश्न - कार्यभार | |

# इकाई-1
# राग बिहाग - बड़ा ख्याल

## इकाई की रूपरेखा


1.1 भूमिका

1.2 उद्देश्य तथा परिणाम

1.3 बिहाग राग का परिचय, आलाप, बड़ा ख्याल, तानें

- 1.3.1 बिहाग राग का परिचय तथा तुलना
- 1.3.2 बिहाग राग का आलाप
- 1.3.3 बिहाग राग का बड़ा ख्याल
- 1.3.4 बिहाग राग की तानें
- स्वयं जांच अभ्यास 1

1.4 सारांश

1.5 शब्दावली

1.6 स्वयं जांच अभ्यास प्रश्नों के उत्तर

1.7 संदर्भ

1.8 अनुशंसित पठन

1.9 पाठगत प्रश्न

**Class:** M.A. **Subject: Music (Vocal/Instrumental)**
**Semester:** 2
**Course Type:** Core Course **Course Code:** MUSI204PR
**Course Name: General Study of Ragas and Light Music** **Paper Type:** Practical

# MUSIC
# (General Study of Ragas and Light Music)

**Lesson : 1 - 16**

**Dr. Nirmal Singh**

**Centre for Distance & Online Education (CDOE)**
**Himachal Pradesh University**
**Gyan Path, Summer Hill, Shimla-171005**

# विषय सूची


| क्रम | इकाई | विषय | पृ. सं. |
|---|---|---|---|
| 1 | | विषय सूची | ii |
| 2 | | प्राक्कथन | iii |
| 3 | | पाठ्यक्रम | iv |
| 4 | इकाई - 1 | रागेश्री राग का विलंबित ख्याल | 1 |
| 5 | इकाई - 2 | भैरवी राग का विलंबित ख्याल | 16 |
| 6 | इकाई - 3 | यमन राग का विलंबित ख्याल | 29 |
| 7 | इकाई - 4 | रागेश्री राग की विलंबित गत/मसीतखानी गत | 47 |
| 8 | इकाई - 5 | भैरवी राग की विलंबित गत/मसीतखानी गत | 61 |
| 9 | इकाई - 6 | यमन राग की विलंबित गत/मसीतखानी गत | 77 |
| 10 | इकाई - 7 | रागेश्री राग का छोटा ख्याल | 95 |
| 11 | इकाई - 8 | भैरवी राग का छोटा ख्याल | 110 |
| 12 | इकाई - 9 | यमन राग का छोटा ख्याल | 124 |
| 13 | इकाई - 10 | रागेश्री राग की द्रुत गत/रजाखनी गत | 141 |
| 14 | इकाई - 11 | भैरवी राग की द्रुत गत/रजाखनी गत | 156 |
| 15 | इकाई - 12 | यमन राग की द्रुत गत/रजाखनी गत | 169 |
| 16 | इकाई - 13 | रागेश्री राग की द्रुत गत/रजाखनी गत (एकताल में) | 184 |
| 17 | इकाई - 14 | सुगम संगीत भाग 1 (गायन) | 201 |
| 18 | इकाई - 15 | धुन (वाद्य संगीत) | 213 |
| 19 | इकाई - 16 | सुगम संगीत भाग 2 (गायन) | 229 |
| 20 | | महत्वपूर्ण प्रश्न | 242 |

# इकाई-1
# रागेश्री राग का विलंबित ख्याल

## इकाई की रूपरेखा


| क्रम | विवरण |
|---|---|
| 1.1 | भूमिका |
| 1.2 | उद्देश्य तथा परिणाम |
| 1.3 | राग रागेश्री |
| 1.3.1 | रागेश्री राग का परिचय |
| 1.3.2 | रागेश्री राग का आलाप |
| 1.3.3 | रागेश्री राग का विलंबित ख्याल |
| 1.3.4 | रागेश्री राग की तानें |
| | स्वयं जांच अभ्यास 1 |
| 1.4 | सारांश |
| 1.5 | शब्दावली |
| 1.6 | स्वयं जांच अभ्यास प्रश्नों के उत्तर |
| 1.7 | संदर्भ |
| 1.8 | अनुशंसित पठन |
| 1.9 | पाठगत प्रश्न |

Class: M.A. II Semester | Course Code: MUSI503PR

Subject: Music (TABLA) | Course type : Elective Course - III

# MUSIC
# (Basic Techniques of Tabla Playing)

## Lesson : 1 - 15

**Dr.Rajeev Sharma**

**Centre for Distance & Online Education (CDOE)**
**Himachal Pradesh University**
**Gyan Path, Summer Hill, Shimla-171005**

# विषयसूची


| क्रम | अध्याय | विषय | पृ. सं. |
|---|---|---|---|
| 1 | | विषय सूची | 2 |
| 2 | | प्राक्कथन | 3 |
| 3 | | पाठ्यक्रम | 5 |
| 4 | इकाई – 1 | वाद्यों के प्रकार (वादन के संदर्भ में) | 6 |
| 5 | इकाई – 2 | तबला के अंग (वादन के संदर्भ में) | 16 |
| 6 | इकाई – 3 | तबला के पारिभाषिक शब्द (वादन के संदर्भ में) | 27 |
| 7 | इकाई – 4 |ताललिपि पद्धति (वादन के संदर्भ में) | 51 |
| 8 | इकाई – 5 | तबला में लय और लयकारी (वादन के संदर्भ में) | 60 |
| 9 | इकाई – 6 | तबला के क्षेत्र में विद्वानों का योगदान (वादन के संदर्भ में) | 73 |
| 10 | इकाई – 7 | प्राचीन अवनध वाद्य चित्र सहित (वादन के संदर्भ में) | 89 |
| 11 | इकाई – 8 | एकताल में ½ और ¼ (वादन के संदर्भ में) | 104 |
| 12 | इकाई – 9 | तीनताल में कायदा (वादन के संदर्भ में) | 114 |
| 13 | इकाई – 10 | पाठ्यक्रम में प्रयुक्त तीनताल (वादन के संदर्भ में) | 131 |
| 14 | इकाई – 11 | पाठ्यक्रम में प्रयुक्त एकताल (वादन के संदर्भ में) | 142 |
| 15 | इकाई – 12 | पाठ्यक्रम में प्रयुक्त चौताल (वादन के संदर्भ में) | 152 |
| 16 | इकाई – 13 | पाठ्यक्रम में प्रयुक्त ताल दादरा (वादन के संदर्भ में) | 162 |
| 17 | इकाई – 14 | पाठ्यक्रम में प्रयुक्त ताल रूपक (वादन के संदर्भ में) | 172 |
| 18 | इकाई – 15 | तबला के वर्ण ( वादन के संदर्भ में) | 182 |
| 19 | | महत्वपूर्ण प्रश्न कार्यभा - | 201 |

# इकाई -1
# वाद्यों के प्रकार
# (वादन के संदर्भ में)

## इकाई की रूपरेखा


| क्रम | विवरण |
|---|---|
| 1.1 | भूमिका |
| 1.2 | उद्देश्य तथा परिणाम |
| 1.3 | वाद्यों का परिचय |
| 1.3.1 | तबला का परिचय |
| 1.3.2 | अच्छे तबले की पहचान |
| 1.3.3 | तबला मिलाने कि विधि |
| | स्वयं जांच अभ्यास1 |
| 1.4 | सारांश |
| 1.5 | शब्दावली |
| 1.6 | स्वयं जांच अभ्यास प्रश्नोंकेउत्तर |
| 1.7 | संदर्भ |
| 1.8 | अनुशंसित पठन |
| 1.9 | पाठगत प्रश्न |

Class: M.A. IV Semester | Course Code: MUSI504 PR

Subject: Music (TABLA) | Course type : Elective Course - IV

# MUSIC

# ( Advance Techniques Of Tabla Playing )

## Lesson : 1 - 15

**Dr. Rajeev Sharma**

**Centre for Distance & Online Education (CDOE)**
**Himachal Pradesh University**
**Gyan Path, Summer Hill, Shimla-171005**

# विषयसूची


| क्रम | अध्याय | विषय | पृ. सं. |
|---|---|---|---|
| 1 | | विषय सूची | 2 |
| 2 | | प्राक्कथन | 3 |
| 3 | | पाठ्यक्रम | 5 |
| 4 | इकाई – 1 | भारतीय संगीत का पूर्ण इतिहास (वादन के संदर्भ में) | 7 |
| 5 | इकाई – 2 | ताल और ताल के दस प्राण (वादन के संदर्भ में) | 27 |
| 6 | इकाई – 3 | नाट्यशास्त्र और संगीत रत्नाकर में अवनध वाद्य (वादन के संदर्भ में) | 56 |
| 7 | इकाई – 4 | गायन शैलियों के साथ बजने वाले ताल (वादन के संदर्भ में) | 81 |
| 8 | इकाई – 5 | लय और लयकारी (वादन के संदर्भ में) | 93 |
| 9 | इकाई – 6 | तबला के क्षेत्र में विद्वानों का योगदान (वादन के संदर्भ में) | 107 |
| 10 | इकाई – 7 | तबला में स्वतन्त्र वादन (वादन के संदर्भ में) | 120 |
| 11 | इकाई – 8 | तबला संगत (वादन के संदर्भ में) | 131 |
| 12 | इकाई – 9 | झुमरा ताल में कायदा, कहरवा और दादरा में लग्गी लड़ी (वादन के संदर्भ में) | 144 |
| 13 | इकाई – 10 | पाठ्यक्रम में प्रयुक्त तिलवाड़ा ताल (वादन के संदर्भ में) | 158 |
| 14 | इकाई – 11 | पाठ्यक्रम में प्रयुक्त सूल ताल (वादन के संदर्भ में) | 169 |
| 15 | इकाई – 12 | पाठ्यक्रम में प्रयुक्त झुमरा ताल (वादन के संदर्भ में) | 180 |
| 16 | इकाई – 13 | पाठ्यक्रम में प्रयुक्त दीपचन्दी ताल (वादन के संदर्भ में) | 191 |
| 17 | इकाई – 14 | पाठ्यक्रम में प्रयुक्त कहरवा ताल (वादन के संदर्भ में) | 201 |
| 18 | इकाई – 15 | हिमाचल प्रदेश का लोक संगीत ( वादन के संदर्भ में) | 211 |
| 19 | | महत्वपूर्ण प्रश्न कार्यभार - | 234 |

# इकाई -1
# भारतीय संगीत का पूर्ण इतिहास
# (वादन के संदर्भ में)

## इकाई की रूपरेखा


| क्रम | विवरण |
|---|---|
| 1.1 | भूमिका |
| 1.2 | उद्देश्य तथा परिणाम |
| 1.3 | भारतीय संगीत का इतिहास |
| 1.3.1 | वैदिक, रामायण, और महाभारत काल |
| 1.3.2 | मौर्य और बौध काल |
| 1.3.3 | मुगुल काल |
| 1.3.4 | अंग्रेजों का काल |
| | स्वयं जांच अभ्यास1 |
| 1.4 | सारांश |
| 1.5 | शब्दावली |
| 1.6 | स्वयं जांच अभ्यास प्रश्नों के उत्तर |
| 1.7 | संदर्भ |
| 1.8 | अनुशंसित पठन |
| 1.9 | पाठगत प्रश्न |